नाम - चिमन लाल

कक्षा - BA (I)

विषय - पर्यावरण प्रोजेक्ट

शास. महाविद्यालय ओड़गी (छ.ग.)

रोल. नं. - 3103001 0031

नामांकन नं.

Scanned with CamScanner

अध्याय-01

1.) ग्राम का परिचय ग्राम चीचा शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा से उत्तर - दक्षिण की ओर अरण्डा डुन्गी मार्ग पर स्थित है यह विकासखण्डा एवं तहसील अर्जुन्दा अर्जुन्दा जिला बालोद छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक भाग है ग्राम चीचा मे ग्राम पंचायत भी है। और ग्राम गोरकापार नामक गाँव भी आश्रित के दृष्टि मे भी आजाता है। तथा दोनो गाँव से मिला कर यह पंचायत का निर्माण हुआ।

यह अर्जुन्दा थाना के अन्तर्गत है जिसमे किसी भी समस्यो के हल निकाल जाता है। और यह ग्राम मे कुल 18 वार्ड है। जिसमे ग्राम चीचा मे केवल 14 वार्ड है।

शैक्षणिक सुविधा के अंतर्गत एक व दो पहल मे किया गया है एक प्राथमिक शाला के रूप मे दूसरा है शा. पूर्व माध्यमिक शाला के रूप मे किया गया है और तालाबो से ग्राम पंचायत को 20.000, 30.000 रू. का राजस्व होता है। ग्राम कि राजस्व का अन्य स्त्रोत प्रकाश कर है।

DATE.............

जैसे समस्या तक नष्ट न होने वाले चीज है और तो और यह मृदा को भी उनकी सिंचाई के लिए उपजाऊ क्षमता को भी नष्ट कर देती है।

5.] गुटखा, तम्बाकू शराब सेवन बचे :-

यह सब चीजों के सेवन करने से लोगों को इससे परिणामों को समझाना चाहिए जिससे लोगों मे ज्ञात देना चाहिए की यह सब व्यर्थ पदार्थों के सेवन से शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर बना देता है यह सब का सेवन करने से मानव जाति का विनाश की ओर जा रहा है।

6.] घरेलू उपयोग से प्रदूषित जल का उचित निपटारा :- गाँव मे पक्की नालियो के माध्यम से वह जल को उचित ढंग से निपटारा कर सके जिससे एक उचित स्थान पर गाँव से बाहर निकाल सकते है तथा गाँव के नालियों से उत्पन्न होने वाले अनेक प्रकार के बीमारियो से बच सकते है और खासन तो यह सब मे मच्छर का उत्पन्न बहुत ही अधिक मात्रा मे होता है तथा यह भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

Scanned with CamScanner